महिला अध्ययन केंद्र की गतिविधियाँ

विश्वविद्यालय में महिला अध्ययन केंद्र की स्थापना माननीय कुलपति प्रो. अनिल कुमार शुक्ल ने २७ अप्रैल, २०२१ को की जिसकी समन्वयक डॉ. नलिनी मिश्रा हैं केंद्र में राज्यपाल सचिवालय, उत्तर प्रदेश से प्राप्त वर्णित तालिका (संख्या ई– ३३५४/जी.एस. दिनांक २८ मई, २०२१) के अनुसार कार्यक्रमों का आयोजन नियमित रूप से किया जा रहा है । महिला अध्ययन केंद्र महिलाओं विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के उत्थान के लिए सतत रूप उनके शैक्षिक, पारिवारिक, व्यावसायिक, सामाजिक, आर्थिक तथा शारीरिक पक्षों को मज़बूत बनाने की दिशा में प्रयासरत है । तालिका में वर्णित गतिविधियों के अतिरिक्त भी केंद्र के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर के अन्दर तथा बाहर अन्य गतिविधियाँ भी समय समय पर संपादित की जाती रहती हैं । संपन्न हुए मुख्य कार्यक्रम इस प्रकार है

• अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राजभवन में नाबार्ड द्वारा आयोजित महिला समृद्धि महोत्सव में माननीय कुलपति प्रो. विनय पाठक के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में डॉ. नलिनी मिश्रा ने विद्यार्थियों के द्वारा महिला केन्द्रित विषयों पर नुककड़ नाटक का मंचन ८, ९ तथा १० मार्च, २०२१ को कराया जिसको सम्मान एवं प्रशंसा प्राप्त हुई ।

समृद्धि महोत्सव का हुआ आयोजन

• माह मई तथा जून २०२१ में महिला अध्ययन केंद्र द्वारा कोविड महामारी के समय में महिलाओं विशेषकर ग्रामीण महिलाओं को जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिरोधक क्षमता बढाने वाले भोज्य पदार्थ, टीकाकरण का महत्व, इत्यादि पर जागरूक किया गया।

भाषा विश्वविद्यालय में टीकाकरण उत्सव का दूसरा दिन

•५ जून, २०२१ को अध्ययन केंद्र द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया जिसमे वृक्षारोपण के साथ साथ महिलाओं को दैनिक जीवन में स्वत्छ्ता सम्बन्धी जानकारी दी गयी तथा पर्यावरण के विकास की महत्ता भी स्पष्ट की गयी । इसके अतिरिक्त भी वृक्षारोपण कार्यक्रम विश्वविद्यालय में तथा परिसर के बाहर समय समय पर आयोजित किये जाते रहते हैं ।

• महिला अध्ययन केंद्र के माध्यम से ०६ जून, २०२१ माननीय कुलपतिजी की अध्यक्षता में गोद लिये गये गांवो में कोविड तथा स्वास्थ्य परिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें ग्रामीणों को दवाईयां इत्यादि भी वितरित की गई तथा महिलाओं की विशिष्ट जांच तथा पोषण आहार सम्बन्धी काउंसलिंग भी की गई।

•समय–समय पर गांवों में महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों से वार्ता करके उनकी समस्याओं पर चर्चा–परिचर्चा की जाती है तथा इन समस्याओं के निवारण हेतु कार्य किये जाते हैं ।

•प्रत्येक शनिवार को परिसर में डॉ0 नलिनी मिश्रा के संयोजन में बालिका स्वास्थ्य क्लब द्वारा महिलाओं हेतु योग शिविर तथा आत्मरक्षा प्रशिक्षण (मार्शल आटर्स ट्रेनिंग) कराई जाती है, जिसमें औसतन 70–75 महिलाओं की सहभागिता रहती है।

•दिनांक 24.09.2021 को माननीय कुलपति प्रो. अनिल कुमार शुक्ल जी की अध्यक्षता में महिला अध्ययन केंद्र के सहयोग से रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रक्तचाप एवं हीमोग्लोबिन की जांच की गई तथा एनिमिया पाये जाने पर महिलाओं एवं छात्राओं को परामर्श भी प्रदान किया गया।

• आज़ादी के अमृत महोत्सव पर महिला अध्ययन केंद्र द्वारा महिलाओं में नेतृत्व की भावना के विकास के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया ।

• गोद लिये गांवों में गर्भवती महिलाओं से समय–समय चर्चा करके उन्हें स्वास्थ्य तथा पोषण सम्बन्धी जानकारी दी जाती है

• विश्वविद्यालय द्वारा अपने विभिन्न विभागों की पाठ्यचर्या में भी गर्भ संस्कार तथा महिला विकास सम्बन्धी पाठ्यक्रमों को सम्मिलित किया गया है।

• महिला अध्ययन केंद्र द्वारा गोद लिये गये 05 गांवो में भी समय–समय पर स्वच्छता सम्बन्धी सामाजिक अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाली महिलाओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी लाभों तथा क्षय रोग, कोविड एवं अन्य बीमारियों से बचाव को बताया जाता है।

•महिला अध्ययन केंद्र मिशन शक्ति ३.० के उद्देश्यों की सफलता के लिए प्रतिबद्ध है तथा इसमें गतिविधियों एवं कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं के उन्नयन की दिशा में कार्य सम्पादित किये जा रहे हैं ।

• सोशल मीडिया के माध्यम से विभिन्न विषयों पर ई पोस्टर तथा विडियो संदेश भी प्रसारित किये गये हैं। समय–समय पर रैली, पोस्टर प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता एवं परिचर्चा माध्यम से भी महिलाओं को जागरूक किया जा रहा है।